हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 फरवरी 2025

12 चुनाव में उम्मीदवारों के लिए कनीना में साफ सफाई...

12 हाफ मैराथन का आयोजन, नहीं पहुंचे खेलमंत्री

**खबर संक्षेप**

## वोटर सूची में गलती सुधार का अंतिम मौका



नारनौल। मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट करण सिंह भोजावास।

हरिभूमि न्यूज नारनौल। जिला मुख्यालय बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट करण सिंह भोजावास ने बताया कि बार काउंसिल पंजाब एंड हरियाणा की ओर से जो वोटर लिस्ट भेजी गई है, उसमें कुछ अधिवक्तागण के नाम, पता व मोबाइल और इनरोलमेंट आदि को लेकर आपत्ति लगाई गई तथा जिन अधिवक्तागण के वोट पर आपत्ति लगी है, वे अधिवक्ताग आपत्ति और त्रुटि दुरुस्त करने के लिए दस्तावेज के साथ 19 फरवरी तक आवेदन पेश कर सकते हैं। ताकि उन्हें चुनाव प्रकिया में भाग लेने का मौका दिया जा सके।

## अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को कुचला

**मंडी अटेली।** दिल्ली-सीकर नेशनल हाईवे 11 पर बजाड़ पेट्रोल पंप के समीप शनिवार रात्रि को एक पैदल जा रहे व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। अटेली पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 40 वर्षीय विजय कुमार पुत्र रामपत निवासी बजाड़ शनिवार रात्रि को समीप के गांव काठूवास से मजदूरी कर अपने गांव पैदल लौट रहा था। उक्त मार्ग पर बजाड़ पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, तब एक अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया। आस-पास के लोगों व राहगीरों ने घायल के स्वजनों को सूचना प्रेषित की। उसे अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## चोर ने दुकान के गल्ले से चुराए रुपये, केस दर्ज

**महेंद्रगढ़।** शहर के धोली हवेली के पास एक किराना की दुकान से चोर गल्ले से हजारों रुपये निकले लिए। चोरों की हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई। शिकायत के आधार पर शहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मौहल्ला कानोडिया निवासी अनिल कुमार खेतान ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि उसने मसानी रोड नजदीकी धोली हवेली के पास खेतान एजेंसी के नाम से एक किराना की दुकान कर रखी है। शनिवार दोपहर बाद उसकी किराना की दुकान में सामान खरीदने के लिए तीन व्यक्ति, एक महिला व दो लड़के आए। जिन्होंने दुकान में आकर 2 लीटर की एक कोक की बोतल दुकानदार से मांगी। दुकानदार ने फ्रिज खोलकर ग्राहक को एक ठंडा की बोतल दे दी। इसी दौरान ग्राहक ने एक पानी की पेटी और देने की बात कही। जैसे ही दुकानदार दुकान के अंदर पानी की बोतल की पेटी लेने के लिए गया। वहां खड़े दोनों युवकों में से एक ने गल्ले से रुपये निकालकर चुपचाप साइड में खड़ा हो गया।

### पैसे के लेनदेन को लेकर हत्या की आशंका

# नगर पालिका के सामने मिले शव के मामले में नया मोड़, परिजनों ने हत्या की जताई आशंका, मामले में पुलिस से की सख्त कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के नगर पालिका के सामने स्थित एक खाली प्लॉट में शनिवार को मिले गांव खुड़ाना निवासी अनिल के शव के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। परिजनों ने शनिवार को पुलिस को दिए बयान में अनिल की मौत अधिक शराब पीने के कारण गिरने से मौत बताई थी, लेकिन अब परिजनों ने पैसे लेनदेन को लेकर तीन-चार लोगों पर अनिल की हत्या करने का आरोप लगाते हुए सिटी पुलिस थाने में शिकायत दी है। सिटी पुलिस ने अनिल के बड़े भाई की शिकायत पर एक नामजद सहित तीन अन्य पर



27 महेंद्रगढ़। शनिवार को पुलिस एम्बुलैंस में शव डालते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीएनएस की धारा 103(1) व 3(5) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि नगर पालिका के सामने स्थित एक खाली प्लॉट में शनिवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल

**खास बातें**

- शनिवार को गांव खुडाना निवासी अनिल का मिला था शव, पुलिस ने परिजन की शिकायत पर हत्या का किया मामला दर्ज

समय नजर आया, जब प्लॉट की सफाई की जा रही थी। बताया जा रहा है कि शिवरात्रि के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इस प्लॉट की सफाई की जा रही थी, तभी वहां मौजूद लोगों ने शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना

**सिटी पुलिस को यह दी शिकायत**

गांव खुडाना निवासी ओमपाल सिंह ने सिटी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि हम चार भाई हैं। उसका सबसे छोटा भाई अनिल कई दिनों से महेंद्रगढ़ शहर में रहता था। बीती 15 फरवरी को पुलिस से सूचना मिली कि भाई अनिल का शव नगर पालिका कार्यालय के सामने एक चार दीवारी से बंद प्लॉट के अंदर पड़ा है। इस सूचना पर वह व अन्य ग्रामीण नगर पालिका कार्यालय के सामने पहुंचे। भाई अनिल के शव की पहचान की और पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव हमें सौंप दिया। उन्होंने बताया कि शहर के मसानी चौक निवासी योगेश उर्फ सुस्सा कई बार हमारे घर गया और भाई विजय सिंह से मिला। उपरोक्त योगेश उर्फ सूस्सा भाई अनिल को पूछता था। जब कई बार वह हमारे घर आया तो हमने उससे पूछा कि आपको अनिल से क्या काम है, हमें बता दो तो योगेश उर्फ सूस्सा ने कहा कि तुम्हारे भाई अनिल के रुपये मांगता है। उसे यह भी बता देना कि जिस दिन हमें मिल गया तो उसे जान से मारेंगे। भाई अनिल का शव मिलने पर हमने आसपास पूछताछ कि तो पता चला कि चार फरवरी को समय करीब 10:30–11 बजे सुबह उपरोक्त योगेश उर्फ सूस्सा व 2-3 अन्य लोग भाई अनिल को पकड़कर फार्मट्रक ट्रैक्टर एजेंसी नारनौल रोड महेंद्रगढ़ के सामने ठेके पर लेकर गए। ठेके पर सेल्समैन कुलदीप वासी राजस्थान हाजिर मिला तो अनिल ने धर्मवीर सेल्समैन के बारे में पूछा तो कुलदीप उपरोक्त ने कहा कि धर्मवीर से रुपये लेकर योगेश उर्फ सूस्सा को देने हैं। इसके बाद योगेश उर्फ सूस्सा व 2-3 अन्य आदमी वहां से अनिल को लेकर चले गए और अनिल की हत्या कर दी। हमने ठेके पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो उसमे भी योगेश उर्फ सूस्सा व अन्य व्यक्ति भाई को ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उस दिन के बाद अनिल का कोई अतापता नहीं था। ओमपाल ने पुलिस से आरोपितों पर मुकदमा दर्ज करके कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच के एक आधार कार्ड मिला, जिससे मृतक की पहचान गांव खुडाना खेतसिंह के रूप में हुई। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, ताकि साक्ष्य एकत्र किए जा सकें। फॉरेंसिक टीम के अनुसार, शव करीब तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा था।

मृतक के चेहरे पर चोट के निशान भी नजर आ रहे हैं, जिससे यह मामला संदिग्ध नजर आ रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर इत्तेफाकिया कार्रवाई करते हुए नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया था। पुलिस भी इस बात की जांच कर रही थी कि यह दुर्घटनावश मौत है या फिर किसी साजिश के तहत की गई हत्या। परिजनों की शिकायत उपरांत इसकी जांच अब में नया मोड़ सामने आया है।

# छह माह में तैयार रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास डेढ़ साल में भी है अधूरा, लोग हो रहे परेशान

- अधूरे पड़े निर्माण से यात्रियों के चेहरे पर मायूसी साफ झलकती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जब 6 अगस्त 2023 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहीत विभिन्न रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शुभारंभ किया, तब नारनौल के रेलवे स्टेशन को भी इसमें शामिल किया गया था। इस स्टेशन के नवीनीकरण के लिए 18 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था और निर्माण कंपनी को छह माह का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन अब तक डेढ़ साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन स्टेशन का निर्माण आज भी आधा अधूरा ही है। इससे स्टेशन आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है और स्टेशन पर कुव्यवस्था नजर आती है। उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 6 अगस्त 2023 को प्रातः 10 बजे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से स्टेशन के पुनर्विकास का शुभारंभ किया था। तब नारनौल स्टेशन पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के साथ तत्कालीन प्रदेश सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वं वर्तमान विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य रूप से मौजूद थे। तब पीएम मोदी ने कहा था कि यह योजना न केवल रेलवे, बल्कि देश के विकास को



नारनौल। रेलवे स्टेशन पर तैयार किया जा रहा मुख्य गेट। फोटो : हरिभूमि



काम करता राजमिस्त्री।



नारनौल। नगर परिषद के रोड के साथ बनाया जा रहा प्रवेश द्वार।



नारनौल। 31 नारनौल। स्टेशन को प्राचीन ऐतिहासिक इमारत जैसा दिया जा रहा भव्य रूप।

**जयपुर मंडल के 12 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास**

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जयपुर मंडल के 12 स्टेशनों का पुनर्विकास होगा, जिनमें जयपुर जंक्शन, गांधी नगर, फुलेरा, रेवाड़ी, बांदीकुई, अलवर, नरेना, सीकर, नारनौल, रींगस, झुंझुनूं और आसलपुर जोबनेर स्टेशन शामिल हैं। इस पुनर्विकास जयपुर मंडल करीब 1150 करोड़ रुपये खर्च करेगा।

और गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। इससे न केवल रेलवे के लिए लोगों का और ज्यादा विश्वास बढ़ेगा, बल्कि इससे रोजगार एवं विकास के नए अवसर पैदा होंगे तथा देश को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा होने का मौका मिल सकेगा। उस वक्त उन्होंने देश के 508 रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तरीय के बनाने की आधारशिला रखी थी, जिसमें नारनौल का रेलवे स्टेशन भी शामिल था, लेकिन कमाल की बात है कि अब तक इसके मुख्यद्वार का निर्माण कार्य भी अंतिम रूप से तैयार नहीं हो पाया है।

### खर्च होंगे 18 करोड़

गौर हो कि नारनौल का रेलवे स्टेशन 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह स्टेशन उत्तर-पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के अधीन आता है और इस स्टेशन के नवीनीकरण कार्य पर 18 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है, ताकि इसे आधुनिक एवं विश्व स्तर का बनाया जा सके। इसके साथ ही यहां आने वाले रेल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना भी रेलवे का मुख्य उद्देश्य है, लेकिन अब तक मुख्य प्रवेश द्वार की दीवारें एवं छत ही तैयार हो पाई है। इस पर लिपाई–पुताई एवं डिजाइन तथा आकृतियां तैयार की जानी शेष ही हैं। इसके साथ स्टेशन के सामने वाली जगह को पूरी तरह से पक्का निर्माण यानि फर्श डाले जाने शेष हैं। उक्त मुख्य गेट के अलावा नगर परिषद की सड़क के साथ लगते दो प्रवेश द्वार और तैयार किए जाने शेष ही हैं। एक प्लेटफार्म का भी निर्माण एवं उस पर शेड का निर्माण किया जाना भी शेष है। पहले से बने प्लेटफार्म की दूरी भी बढ़ाई जानी है, लेकिन निर्माण कार्य इतनी धीमी गति से हो रहा है कि इसे कछुआ गति कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

**आधुनिक स्टेशन की यह होंगी प्रमुख सुविधाएं**

- लेंडस्केप के साथ सर्कुलेटिंग एरिया का विकास।
- अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार।
- टू व्हीलर, फोर व्हीलर के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधा।
- यात्री क्षमता के अनुसार पर्याप्त क्षेत्र में प्रवेश हॉल का निर्माण।
- पकोच की सही स्थिति जानने के लिए कोच इंडिकेशन बोर्ड का प्रावधान।
- उन्नत व बेहतर वेटिंग रूम की सुविधा।
- स्टेशन बिल्डिंग के आंतरिक व बाहरी भाग में उत्कृष्ट साज-सज्जा।
- नए प्टेलफार्म शेल्टर का प्रावधान।
- दिव्यांगजन की सुविधा हेतु टॉयलेट्स और वाटरबूथ की सुविधा।
- बेहतर साइनेज की सुविधा।
- होर्डिंग्स एवं स्मारकीय झंडे का प्रावधान।
- स्टेशन पर उन्नत व बेहतर फर्नीचर की व्यवस्था।
- एक प्लेटफार्म से दूसरे पर जाने के लिए फुट ओवरब्रिज आदि।

**यह होना है निर्माण**

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्रियों की स्टेशन तक पहुंच, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, मुफ्त वाईफाई, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी है। आवश्यकतानुसार स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क जैसी सुविधाओं में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें लागू करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वन स्टेशन वन प्रोडेक्ट, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, कार्यकारी लाउंज व व्यवसायिक बैठकों के लिए नामांकित स्थान आदि शामिल हैं, लेकिन अब तक इन सभी कार्यों तक पहुंच दूर दिखाई देती है। इस योजना में हरियाणा के 34 रेलवे स्टेशन शामिल हैं, जिनमें से एक नारनौल का रेलवे स्टेशन भी है।

**2023 में प्रधानमंत्री ने वर्चुअल तरीके से किया था नारनौल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास निर्माण का शिलान्यास**

**यह कहते हैं अधिकारी**

नारनौल रेलवे स्टेशन के सैक्सन इंजीनियर जितेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि शुरूआत में नक्से तैयार कर उन्हें फाइनल करने में समय लगा। फिर कभी लेबर तो कभी मैटीरियल की दिक्कत रही। अब मुख्य गेट एवं सर्कुलेटिंग एरिया पर काम चल रहा है, जो मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। उसके बाद अलग–अलग कामों के और टैंडर लगेंगे और फिर काम शुरू होंगे। जब पूर्ण रूप से यह कार्य हो जाएंगे, तब यहां का स्टेशन विकसित स्टेशनों की भांति नजर आएगा और यहां की सुविधाएं बढ़ जाएंगी।

## साइबर फ्रॉड में एक और आरोपित गिरफ्तार

**नारनौल।** ए 4 सीजर पेपर रिम के नाम पर साइबर फ्रॉड करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान चेतन वासी विद्याधर नगर जयपुर राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित का पता लगाकर उसे जयपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने जांच में पता लगाया कि साइबर ठगी की वारदात में आरोपित का बैंक अकाउंट प्रयोग हुआ था। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपित अलपित वासी मित्र नगर कैनाड रोड जयपुर को राजस्थान के जयपुर क्षेत्र से पहले गिरफ्तार किया था। साइबर ठगी के मामले में आरोपित का खाता प्रयोग हुआ था।

## चालान भरने में देरी करने वालों के वाहनों को किया जा रहा है डिटेन

**नारनौल।** ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद चालान न भरने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की ओर से सख्ती की जा रही है। चालान कटने के 90 दिन तक कोई चालान नहीं भरता है, तो उसका वाहन पुलिस की ओर से डिटेन किया जा रहा है और चालान भरने के बाद ही वाहन को छोड़ा जा रहा है। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यह कार्रवाई की जा रही है।

जिला पुलिस की ओर से इस बारे में आमजन को 10 फरवरी तक चालान भरने के लिए जागरूक किया। ट्रैफिक थाना प्रभारी के अलावा सभी थाना प्रबंधकों, चौकी इंचार्जों को निर्देश जारी किए गए। जिनके तहत 90 दिन में कोई चालान नहीं भरता है, तो उसके वाहन को डिटेन कर 167 (8) एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई होगी। ट्रैफिक पुलिस की ओर से वाहन चैकिंग के दौरान ऐसे वाहन चालकों को रोककर उनके वाहनों को डिटेन कर चालान भरवाए जा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस की ओर से अब तक ऐसे 20 से अधिक वाहनों को डिटेन कर चालान भरवाने की प्रक्रिया कराई गई है। इस नए नियम के तहत वाहन चालकों को निर्धारित समय में चालान का भुगतान करना अनिवार्य होगा।

## हरियाणा पुलिस का जवान संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव उष्मापुर निवासी एक हरियाणा पुलिस का जवान संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। वह मधुबन से घर आ रहा था।

महेंद्रगढ़ तुलाराम चौक पहुंचकर परिवार वालों से बात की और जल्द घर पहुंचने की बात कही, लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। छोटे भाई की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव उष्मापुर निवासी जितेंद्र ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि उसका बड़ा भाई आनंद कुमार (29) हरियाणा पुलिस में नौकरी करता है।

वह अक्टूबर में सी ग्रुप की भर्ती हुई थी उसमें हुआ था। फिलहाल वह मधुबन में ट्रेनिंग कर रहा था। 15 फरवरी को आनंद कुमार मधुबन से परमिशन लेकर घर आ रहा था। शाम करीब सात बजे उसके दोस्त अमित से मोटरसाइकिल लेकर दादरी से घर के लिए चला था। 9:53 पर उसके भाई ने अपने मोबाइल से अपने ससुर नरेश निवासी महेंद्रगढ़ को मोबाइल फोन कर कहा कि वह राव तुलाराम चौक महेंद्रगढ़ पर पहुंच गया है। अव्युक्त को अपने साथ घर लेकर जाउंगा।

## ढाणी बाठोठा के लिए स्पेशल लगेगी बिजली लाइन

**नारनौल।** गांव ढाणी बाठोठा में बिजली घर स्थापित होने के बावजूद अलग से बिजली लाइन की व्यवस्था नहीं है। गांव की जमीन पर बिजली घर 1984 में स्थापित किया गया था, लेकिन गांव को बिजली की सप्लाई सभी गांवों के समान मिलती रही है। युवा साथी ग्रुप हरियाणा, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा से टिंकू प्रधान व बिरेन्द्र सिंह ने सीएम नायब सिंह सैनी को इस समस्या के बारे में अवगत करवाया। जिस पर सीएम ने प्रतिनिधियों को गांव की अलग से लाइन लगवाने के लिए आश्वस्त किया। बिरेन्द्र सिंह ने बताया कि बिजली की समस्या को लेकर शनिवार को सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर समस्या बारे अवगत करवाया व गांव की अलग से बिजली लाइन लगवाने का आग्रह किया। जिस पर सीएम ने गांव की अलग से बिजली लाइन लगवाने का आश्वासन दिया।

नारनौल। सीएम नायब सिंह सैनी से मिलते ट्रस्ट प्रतिनिधि।

**लगाया आरोप** पत्नी के साथ मापरपीट व अभद्र व्यवहार के मामले में कार्रवाई होने से है नाराज

# बोचड़िया में प्रवासी राजमिस्त्री 8 माह बीतने पर भी कार्रवाई नहीं होने से गांव छोड़ने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली खंड के गांव बोचड़िया में रहने वाले प्रवासी राजमिस्त्री की पत्नी के इसी गांव के एक व्यक्ति द्वारा मारपीट, अभद्र व्यवहार व उसके जेवरात छीनने वाले पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं होने से से पीड़ित परिवार सदमे में है। प्रवासी श्रमिक लंबे समय से बोचड़िया में पिछले आठ वर्षों से राज मिस्त्री अपनी पत्नी के साथ मिलकर कार्य कर अपने परिवार का लालन पालन कर रहा है। इस घटना के आठ माह से न्याय की गुहार के लिए अनेक स्थानों पर चक्कर काटने को मजबूर



नारनौल। शिकायत दिखाते पीड़ित दंपति। फोटो : हरिभूमि *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। शिकायत दिखाते पीड़ित दंपति। फोटो :

है, लेकिन न्याय नहीं मिला है। पीड़ित दंपती ने अटेली स्थित स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय में उनके पीए के पास ज्ञापन दिया है। न्याय नहीं मिलने पर उसने सीएम विंडो में 27 जनवरी को 009023 नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

बिहार के खगड़िया जिले के सुलेन यादव अपनी पत्नी पूनम देवी गांव बोचड़िया में राजमिस्त्री कार्य करता है। उसके छह बच्चे थे, जिसमें एक 15 वर्षीय बच्चा मारपीट के बाद उसकी देखभाल नहीं करने से 22 जनवरी को गर्म दाल आदि गिरने से जलकर काल का ग्रास हो गया था। उस दिन वह पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं करने पर न्याय के लिए अधिकारियों के पास गया हुआ था। पीड़ित मिस्त्री ने बताया कि मारपीट करने वाले व्यक्ति द्वारा कार्रवाई नहीं होने पर वह अक्सर धमकी भी देता रहता है तथा उसके हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। पिछले साल 16 मई को वह बोचड़िया में राजमिस्त्री का कार्य कर रहा था, गांव के एक 25 वर्षीय युवक ने उसकी पत्नी के साथ मारपीट करने के साथ उसके साथ अभद्र व्यवहार करने के साथ कान की बाली सहित दूसरे जेवरात छीन लिए थे। उसके बाद वह नारनौल अस्पताल में उपचाराधीन भी रहने के एमएलआर भी चिकित्सों के चक्कर काटे। गांव के सरपंच के पास उसी दिन अपनी शिकायत दी थी। सरपंच ने थाने का सहारा लेने की बात कही थी। उसके बाद अटेली थाने सहित दूसरे स्थानों पर न्याय के लिए वह पिछले आठ माह से अधिकारियों के चक्कर काट रही है, लेकिन उसे इंसाफ नहीं मिला है। उसके अब पांच बच्चे हैं, जो गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। उसने बताया कि वह तो अनपढ़ है, लेकिन वह चाहता है कि उसके बच्चे शिक्षित हो कर अच्छा जीवन व्यतीत करें।

# संयुक्त टीम ने अवैध पत्थर ढोते ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ी

- अवैध खनन पर प्रशासन कार्रवाई करने में जुटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अवैध खनन पर प्रशासन कार्रवाई करने लगा है। शनिवार रात अवैध खनन करने वाले को खनन विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने छापामारी करते हुए नांगल चौधरी क्षेत्र में एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़कर बंद किया है। दरअसल, शनिवार रात को खनन तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम निगरानी के लिए गांव गोलवा की पहाड़ियों में पहुंची। यहां पर उन्होंने एक ट्रैक्टर ट्रॉली को अवैध पत्थर की ढुलाई



नारनौल। अवैध पत्थर भरी पकड़ी गई ट्रैक्टर ट्रॉली। फोटो : हरिभूमि

करते पाया। संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान ट्रैक्टर चालक मौका पाकर फरार हो गया। टीम ने उसकी काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर गायब हो गया। जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिला खनिज बाहुल्य क्षेत्र है। ऐसे में उपायुक्त की ओर से गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स लगातार फील्ड में उतरकर अवैध खनन में संलिप्त नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अलग अलग जगह के लिए अलग अलग टीमें लगातार छापामार करवाई कर रही है। जिला में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा क्रेशर एरिया का भी लगातार दौरा किया जा रहा है। अगर किसी भी क्रेशर पर अवैध पत्थर मिलता है, तो तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

*तब तक लड़ना मत छोड़ो जब तक अपनी तय की हुई जगह पर ना पहुँच जाओ- यही, अद्वितीय हो तुम। ज़िन्दिगी में एक लक्ष्य रखो, लगातार ज्ञन प्राप्त करो, कड़ी मेहनत करो, और महान जीवन को प्राप्त करने के लिए दृढ़ रहो।* **- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम**

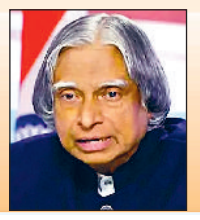

*पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'*

कहानी
सुरेश वशिष्ठ

# मिताली का मौन

मिताली बहुत खुश थी। हिमाचल की हसीन वादियों में जन्मी, पली, पढ़ी और अब साइबर सिटी-गुरुग्राम में एक अच्छी एमएनसी कंपनी में नौकरी पर ज्वाइन करने जा रही थी। इसी से वह बहुत खुश दिखाई दे रही थी।

वह विचार करने लगी- 'कैसा होगा वहाँ का परिवेश? कंपनी के संगी-साथियों के साथ कैसे बीतेंगे दिन।....और कब गृहस्थ जीवन में होगा पदार्पण?' यही सवाल अंतस् में उठ रहे थे। सवाल उठते और जवाब भी स्वतः ही उभर आते। और तब... कोई सिहरन, चहक आनंद से देह को भरने लगती थी।

आज मिताली ने एमएनसी कंपनी में ज्वाइन कर लिया था। ऑफिस बहुत सुंदर था। उसे मिलाकर कुल सात लोग उस ऑफिस में काम करते थे। सभी उससे सीनियर थे। तीन लड़कियाँ और चार लड़के पहले से थे। मिताली और ललित ने एक साथ ज्वाइन किया, तो अब चार लड़कियाँ और पाँच लड़के, कुल नौ हो गए। ललित को मिताली ने देखा तो वह नजरों में बस गया। पहले से कार्यरत दो लड़कों और दो लड़कियों में बहुत अच्छी पटती थी। वे चारों दोपहर में एक साथ ही भोजन करते थे और अपने में ही मस्त रहते थे। मिताली, ललित और वैभव के बीच भी अच्छी कैमिस्ट्री जम गई थी। ये तीनों भी साथ-साथ ही भोजन करने लगे थे। दिन बीतने लगे, रातें चली जाती रही और मुलाकातें बढ़ती गई।

एक दिन, दूसरी उन दोनों लड़कियों ने अपने-अपने बॉयफ्रेंड से ब्याह रचा लिया। चारों बहुत खुश दिख रहे थे। ऑफिस में छोटी-सी एक पार्टी रखी गई और दिलफेंक हवाइयाँ भी चलीं। अगले दिन से सभी काम में व्यस्त हो गए। हर दिन उन्हें एक नया अनुभव देता रहा। दोनों लड़के और लड़कियाँ खुशहाल थे। पता चला कि शादी को लेकर एक लड़की का परिवार बहुत नाराज था। शादी में वह शामिल भी नहीं हुआ था। कारण यह कि दोनों की जातियाँ अलग-अलग थीं। लड़की ब्राह्मण थी और लड़का दलित परिवार से था।

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कुछ दिन बीते। लड़की के व्रत रखने और पूजा-पाठ पर कलह शुरू होने लगी। जिरह होती रही और भीमराव अंबेडकर की महानता के बीच भगवान श्रीराम का चरित्र फीका पड़ने लगा। चेहरे पर से खुशी जाती रही। तनाव साफ-साफ दिखने लगा था।

फिर एक दिन, लड़की आई और कंपनी में अपना त्यागपत्र देकर चली गई। सुना यह था कि उसने दूसरे किसी शहर में किसी नई कंपनी में ज्वाइन कर लिया है। लड़का कुछ दिन मायूस रहा और फिर वह भी एक दिन जॉब छोड़कर चला गया। विवाह का पवित्र वह बंधन टूट चुका था। ललित ने अपने बैग से गुलाब का एक सुंदर फूल निकाला। घुटनों पर बैठकर वह उसे मिताली को देने लगा। मिताली ने पूछा--'यह क्या है?' उसने कहा--'तुम्हें देने का मन हुआ है।' मिताली ने उसे हाथों में पकड़ लिया। वह नहीं जानती थी कि फूल हाथ में पकड़ लेने से लड़कों की सोच बदलने लगती है। बगैर कुछ सोचे समझे उसने तो यूँ ही फूल को हाथों में थाम लिया था। नहीं मालूम था कि गुलाब हाथों में थाम लेना प्रीत की स्वीकारोक्ति है? ललित ने मिताली से कहा--'अच्छी फिल्म लगी है, देखने चलें?' मिताली ने मना कर दिया। उसे आश्चर्य हुआ और पूछने लगा--'क्यों नहीं जाना चाहती?' मिताली बोली--'जिसके साथ ब्याह होगा, उसी के संग फिल्म देखने जाऊँगी।' ललित बोला--'ब्याह मुझसे कर लो?' मिताली कहने लगी- 'घरवाले जहाँ चाहेंगे, वहीं शादी करूँगी। मुझे समाज में अपने पिता का सिर नीचा नहीं करना है।'

अगले कुछ रोज, ललित मिताली से दूर-दूर ही रहा। दोनों के बीच बातचीत भी कम होने लगी। दोपहर में भोजन तो तीनों साथ कर रहे थे लेकिन नाराजगी साफ दिख रही थी।

दूसरे युवक का नाम वैभव था। एक दिन दोपहर भोजन के समय वैभव मिताली से पूछने लगा--'तुम्हारे बीच नाराजगी दिखाई दे रही है।' ललित तो चुप रहा लेकिन मिताली बोली--'नहीं तो! हमारे बीच कोई नाराजगी नहीं।' ललित ने जल्दी से भोजन किया और उठकर चल दिया। वैभव की नजरें दोनों के चहरों को पढ़ रही थी।

उस दिन, भोजन का समय था। टिफिन खुले और तीनों खाने में लग गए। कोई खाना शेयर भी नहीं कर रहा था। कहीं भीतर में खटास थीं। सभी ने गहरी चुप्पी ओढ़ ली थी। वैभव ने मिताली और ललित को गौर से निहारा, फिर मिताली के चेहरे को पढ़ते हुए वह बोला--'मिताली, मैं नासमझ नहीं। तुम्हारे और ललित के बीच बहुत कम बातें हो रही हैं। नाराजगी साफ दिख रही है और यह नाराजगी नई नहीं है। दिनों-दिन बढ़ रही इस नाराजगी का हल निकाल लेना चाहिए। आपस की बात-चीत चलती रहे तो अच्छा लगेगा।' ललित से भी उसने पूछा--'ललित, बोलो तो किस बात पर नाराजगी है?' कुछ देर तो उसने कुछ कहा नहीं, फिर कई बार कुरेदने पर वह बताने लगा--'मैंने प्रीत का इजहार किया था, मिताली ने उसे एक्सेप्ट भी किया था लेकिन अब वह दूर जा रही है।'

'मैं कहाँ दूर जा रही हूँ।' मिताली बोली, 'तुम्हारी हर बात का तो खयाल रखती हूँ। उस रोज तुमने शादी की बात की थी, उस पर मेरा साफ निर्णय हैं--'मेरे पिता जिसके हाथ में भी मेरा हाथ देगें, वही मुझे स्वीकार होगा ! मैं स्वयं से कोई पहल नहीं करूँगी।'

थोड़ी देर चुप्पी रही। फिर वैभव बोला--'सही तो कहा मिताली ने, इसमें क्या गलत है? वह घर की मर्यादा से बाहर नहीं जाना चाहती। और यह तो अच्छी बात है। तुम्हें यह बुरा क्यों लग रहा है?' ललित कुछ नहीं बोला और टिफिन उठाकर चला गया।

मिताली आज बहुत खुश थी। सात-आठ दिन की छुट्टी के बाद वह ऑफिस लौटी थी। सभी से हैलो-हॉय के बाद उसने चमचम और मीठी रसमलाई सभी के लिए परोसी और उनकी टेबुल पर रखती चली गई।

वैभव ने पूछा--'किस खुशी में?' मिताली बोली--'पहले खा लीजिए, खुशी भी बतला ही दूँगी।' सभी ने परोसी गई मिठाइयाँ खा लेने के बाद उसे थैक्यू कहा और मिठाई खिलाने का कारण जानना चाहा। मिताली बताने लगी--'छुट्टियाँ काटकर आई हूँ। इन छुट्टियों में घरवालों ने मेरा रिश्ता पक्का कर दिया है। अगले महीने मेरी शादी है।' ललित के चेहरे से रौनक गायब हो गई। वह उठा और चुप अपनी सीट पर जा बैठा। बाकी सभी मिताली को बधाई देने लगे। मिताली की धूमधाम से शादी हुई। ऑफिस से ललित को छोड़कर बाकी सभी शादी में शामिल हुए। ललित चुप-चुप और गमगीन रहने लगा। मिताली लंबी छुट्टी पर चली गई। ललित हर किसी से बहुत कम बातें करने लगा था।

*ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था? आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।*

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था?

आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

वह अचम्भित रह गई। सोचने लगी--'यह कैसा पति है, जो सुहानी रात पत्नी को छोड़कर चला गया।' मन में अनेक शंकाएँ जागने लगीं और बुरे खयाल उसे घेरने लगे। शादी के बाद मिताली ससुराल से घर लौटकर आई। चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी। माँ ने ससुराल के लोगों के स्वभाव को लेकर अनेक प्रश्न किए। वह कुछ नहीं बोली। पिता ने भी कुछ पूछना चाहा, उसने टाल दिया। माता-पिता परेशान होने लगे। बेटे के चेहरे की तरफ देखते और आहत होते। फिर एक दिन, मिताली ने पिता से कहा--'मैं अपनी जॉब पर जाना चाहती हूँ।' पिता बोले--'दामाद जी राजी होंगे क्या?' वह उठकर चली गई। पिता उसे देखते रह गए।

दिन बीते। एक रोज मिताली की माँ ने बेटी से कहा--'दामाद जी तुझे लिवाने आ रहे हैं। तुम्हारी सास का संदेशा भी आया है।' मिताली बोली--'उन्हें मना कर दो ! मैं कहीं जाने वाली नहीं। अगर जाउँगी तो अपनी जॉब पर !' माँ बोली--'सास का कहना है, हमें जॉब नहीं करानी।' मिताली ने कहा--'मुझे जॉब पर ही जाना है, ससुराल नहीं जाना।' और वह उठकर चली गई।

माता-पिता समझ नहीं पा रहे थे कि यह उसमें कैसा परिवर्तन है? उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। पूछने की बहुत कोशिश हुई लेकिन मिताली ने जुबान नहीं खोली। सास को मिताली का निर्णय बताया गया, तब वहाँ से भी उसे लिवाने कोई नहीं आया।

मिताली ने पैकिंग की और जॉब पर जाने को तैयार हो गई। पिता बोले--'यह तुम्हारा गलत निर्णय है। ससुराल जाने में तुम्हें आपत्ति क्या हैं?'

'मैं वहाँ नहीं जाउँगी।' मिताली ने साफ-साफ कहा। 'कारण क्या है, कुछ तो कहो?' पिता जोर देकर पूछने लगे।

'उन्हीं से कारण भी पूछ लेना।' दृढ़ स्वर में मिताली ने पिता से कहा। पिता फिर भी कुछ नहीं समझ पाए और मिताली को जॉब पर चले जाने दिया।

दोपहर के खाने में वैभव ने स्वीट्स परोसी। ललित पूछने लगा--'किस खुशी में?' वैभव मुस्करा दिया और बोला--'मुझे पैप्सी में अच्छा ऑफर मिला है। यहाँ नोटिस देकर मैं वहाँ चला जाऊंगा।' सबको खुशी हुई। मिताली थोड़ा असहज हो गई। ललित पहले की तरह बातें करने लगा था, लेकिन मिताली सहज नहीं हो पा रही थी। अगले दिन, वैभव ने मिताली से पूछा--'जॉब पर रहते हुए ससुराल से आना-जाना कैसे रहेगा?' उसने जवाब नहीं दिया।

वैभव ने फिर उसे टोका--'हसबैंड क्या यहीं आकर रहेंगे?' उसने वैभव पर नजरें डाली और घूरते हुए पूछने लगी--'किसलिए?' कहने के ढंग से तीक्ष्ण तीर-सा चुभ गया। वैभव कुछ समझ न सका।

छुट्टी का दिन था। मिताली के पिता बेटी से मिलने ऑफिस आए। साथ में मिताली की माँ भी थी। कुछ देर बाद ललित और वैभव का भी वहाँ आना हुआ। चाय के लिए सभी साथ-साथ बैठे। परिचय के बाद शादी की बातों का दौर चला। फिर सिलसिले खुलने लगे। मिताली के ससुराल नहीं जाने पर जिक्र भी चला। वैभव कारण पूछने लगा। मिताली चुप रही।

माँ ने अपना पक्ष रखा। पिता समाज की दुहाई देते रहे। ललित भी जानना चाहता था कि वह ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती। मिताली खीज उठी। देर तक चली जिरह में मिताली आक्षेप सुनती रही, चुप रही। लेकिन सभी तो कारण जानने को इच्छुक थे।

तब, मिताली द्रवित हो उठी। खीजकर बोली--'आप सभी जानना चाहते हैं कि मैं ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती....तो सुनो, जिस लड़के से मेरी शादी हुई है, वह समलैंगिक है। मुझ में उसे इंट्रेस्ट नहीं है।' गहरा मौन पसर गया। वातावरण स्तब्ध था और मिताली की आँहें उसे तड़पा रही थीं।

कविता
अर्चना कोचर

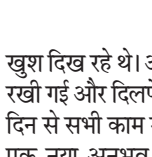

## माफीनामा लिखते हस्ताक्षर

बच्चों की हर मनमानी पर, हमारे हस्ताक्षर चिपकने लग गए हैं
उनकी हर गलती पर माफ़ीनामा, हम लिखने लग गए हैं।

क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात में
हम अपनी उम्र से कुछ ज्यादा, बड़े दिखने लग गए हैं।

बहुत बड़े परिवार हुआ करते थे, हमारे बड़े-बुजुर्गों के
जनसंख्या वृद्धि में हम, हमारे दो पर टिकने लग गए हैं।

खोखली नींवों को दस्तक देते, आधुनिकता के रंग में रंगें बच्चों को
हमारे दो बच्चों वाले परिवार भी, अखरने लग गए हैं।

शादी की उम्र को उच्च महत्वाकांक्षाओं में खपाने वाले बच्चे
सृष्टि सृजन में, एग फ्रीज करवाने लग गए हैं।

फल-फूल रहे हैं, विदेशी उड़ान के सपने
लड़का-लड़की दोनों कमाने लग गए हैं।

वृद्धा आश्रम में भी, मां-बाप ने पलकों पर बैठाए हैं बच्चे
बच्चों को नौकर-चाकर, अभिभावक लगने लग गए हैं।

शादी की पवित्रता के, वैचारिक मत-मनभेद में, अधेड़ उम्र के बच्चों को
ब्याहने की बेबसी में, हम भी आंखें मूंदने लग गए हैं ।

लिव इन रिलेशनशिप की रीत-प्रीत में, बंध रहे हैं बच्चे
हम भी बिन फेरे-हम तेरे वाले बंधन पर, आशीर्वाद बरसाने लग गए हैं ।

कान तरस जाते हैं, बच्चों की किलकारियां सुनने में
घरों में भौं-भौं टामी, पलने लग गए हैं।

उम्र बीत रही है हमारी भी, बच्चों को सृष्टि सृजन समझने-समझाने में
वो पुरातनपंथी का टैग, हम पर लगाने लग गए हैं।

मोह-ममता की विवशता में, उनकी हर मनमानी पे
हम भी माफीनामा लिखे अपने हस्ताक्षर, चिपकाने लग गए हैं।

कविता
राकेश कुमार सपड़ा

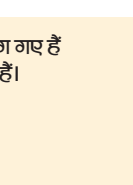

## अपना सा लगता है

ये समुद्र जो लहरों की
मौज पर अपनी मचलता है
ये तन्हा है फिर भी
जाने क्यों सबको
अपना सा लगता है।

ये आसमान नीला
प्रतिबिंब इसका
इसमे झलकता है
ये सूरज गर्मी से
जिसकी जाने
क्या क्या पिघलता है
विचरता है दिन भर
आराम इसको भी
शाम ढलते इसकी
ही आगोश में ही
आ के मिलता है।

झाँके कोई इसमे
गहरा कितना ही
थाह इसका नहीं
किसी को मिलता है
ये चांद पूर्णिमा को
इसी के जल को
तरसता है।

बैठा हूँ किनारे पर इसके
लहरें इसकी छू के
लौट जाती हैं

काश रुक जाती तो
पूछ लेता इनसे
क्यों नहीं रुक के
दो पल
हाल सफर का सुनाती है ?

ये नाता लहरों का सागर से
कितना गहरा होता है
होता शुरू इसी से
खत्म इसी में होता है।

**हास्य व्यंग्य, काव्य और लघु कथाओं से समाज को सकारात्मक संदेश दे रहे वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर शामलाल कौशल का कहना है कि साहित्य में आई गिरावट का कारण शॉर्टकट के रास्ते लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। लेखकों को भी बदलते सामाजिक परिवेश के अनुसार साहित्य संवर्धन करने की आवश्यकता है। तभी समाज और संस्कृति को जीवंत रखने की कल्पना की जा सकती है।**

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

# सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का माध्यम साहित्य: शामलाल कौशल

साहित्य जगत में समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही लेखक साहित्य साधना करते आ रहे हैं। मूर्धन्य विद्वानों ने साहित्य को समाज का दर्पण माना है। इसलिए लेखक और साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य साधना करके समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता के प्रति सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। हरियाणा की समृद्ध संस्कृति के संवर्धन में जुटे शिक्षाविद् एवं लेखक शामलाल कौशल भी आलेख, काव्य, हास्य व्यंग्य और लघु कथाओं जैसी विधाओं से अपने रचना संसार को बढ़ाकर साहित्य और समाज को एक-दूसरे के पूरक होने की सार्थकता को सिद्ध करने में जुटे हैं। हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें आजकल सामाजिक विसंगतियों के कारण दूर होती सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर जैसी परंपराओं को जीवंत करने में साहित्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का माध्यम है।

### प्रकाशित पुस्तकें

प्रो. शामलाल कौशल की प्रकाशित 15 पुस्तकों में लेख संग्रह-जीना एक कला है तथा खुश कैसे रहें, काव्य संग्रह-यही तो जिंदगी है, हास्य व्यंग्य संग्रह-यह दुनिया पागलखाना, कुंवारों का संडे बाजार व आज्ञाकारी पति होने के फायदे, लघुकथा संग्रह-अगर मां होती, हास्य व्यंग्य-ऐ बेशर्मी? तेरी सदा ही जय हो, लघु कविता संग्रह- जिनकी नहीं होती मां, अभी तो मैं जवान हूं और मेरे हीरो मेरे मां बाप, कहानी संग्रह-पिंजरे के पंछी सुर्खियों में हैं। वहीं लेख संग्रह- तनाव ही तनाव भी उनकी कृतियों में शामिल है।

शामलाल कौशल

### पुरस्कार व सम्मान

प्रो. शामलाल कौशल को साहित्य साधना के लिए अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। हरियाणा साहित्य अकादमी ने उन्हें हास्य व्यंग्य संग्रह 'आज्ञाकारी पति होने के फायदे' के लिए सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से अलंकृत किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री 'साहित्य रत्न' पुरस्कार, निर्मला स्मृति आजीवन हिंदी साहित्य साधना सम्मान के अलावा कई राज्यों की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा अनेक बार सम्मान देकर पुरस्कृत किया जा चुका है।

प्रारंभिक दिन बहुत कठिन और संघर्ष के बीच बीते। इसी बीच साल 1953 में पिता के निधन के कारण पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह संगरूर के राज हाई स्कूल से मैट्रिक पास की। गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज से बीए पास किया, जहां उन्हें अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले शिक्षक तथा समाजसेवी प्रोफेसर मुंशी राम वर्मा ने उनके लिए एक अभिभावक की भूमिका निभाई और हरसंभव सहायता की। बाद में उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से एमए (अर्थशास्त्र) उत्तीर्ण की। 1966 में हरियाणा के गोहाना में हरियाणा वार हीरोज मेमोरियल कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर उनकी नौकरी लगी। 1981 में यही कॉलेज सरकारी बन गया और यहां करीब 36 साल अध्यापन करने के बाद 2001 में वह सेवानिवृत्ति हुए। बकौल शामलाल कौशल, हमारे परिवार में किसी की भी साहित्य में रुचि नहीं रही है। परिवार में शायद वह अकेले सदस्य थे, जिन्हें बचपन से ही अखबार पढ़ने की रुचि रही है। अपने कॉलेज की पत्रिका में भी उनके लेख भी नियमित तौर पर लेख प्रकाशित होते रहते थे। प्रो. शामलाल ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लेखन कार्य शुरू किया, जिसके लिए उन्हें डॉ. श्याम सखा, डॉ. मधुकांत जैसे कई ऐसे मूर्धन्य विद्वान और साहित्यकारों की प्रेरणा और मार्गदर्शन में कई विधाओं में अपने रचना संसार को लगातार दिशा दी। इसमें उन्होंने सबसे पहले एक हास्य व्यंग्य लिखा, जिसके बाद लघु कथाएं लिखनी शुरू की। खास बात ये भी है कि सेवानिवृत्ति के बाद साहित्य लेखन से ही उनका समय बहुत आसानी से गुजर रहा है और वरिष्ठ साहित्यकारों से मुलाकात और कार्यक्रमों में हिस्सेदारी से उनके ज्ञान में वृद्धि तथा सम्मान मिल रहा है। वे कहते हैं कि साहित्य समाज का दर्पण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज भी साहित्य को प्रभावित करता है। लेकिन आज के समय में अच्छे साहित्य का अभाव इसलिए पनपा है क्योंकि हमारा समाज भी आजकल सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर व ईमानदारी से दूर होता जा रहा है। हालांकि जिन्हें साहित्य का जुनून है वह अभी साहित्य साधना में जुटे हैं, लेकिन भौतिकतावाद के इस युग में साहित्य के प्रति पाठकों की रुचि पहले के मुकाबले में बहुत कम हो रही है। युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति रूझान न होने का कारण वह अपने करियर को लेकर इंटरनेट का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। समाज के ताने बाने को संस्कृति के अनुरुप संजोने के लिए युवा पीढ़ी को साहित्य के लिए प्रेरित करने की बहुत जरूरत है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में साहित्य से संबंधित सामग्री पाठ्यक्रमों में शामिल करके शिक्षक साहित्य की विभिन्न विधाओं के बारे में छात्रों को संस्कारी बना सकते है।

### व्यक्तिगत परिचय

**नाम** : प्रो. शामलाल कौशल
**जन्मतिथि** : 9 दिसंबर 1943
**जन्म स्थान** : डेरा गाजी खान (पाकिस्तान)
**शिक्षा** : एमए (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी,राजनीति शास्त्र)
**संप्रति** : लेखक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, गोहाना।

# जानकारी से परिपूर्ण है एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज

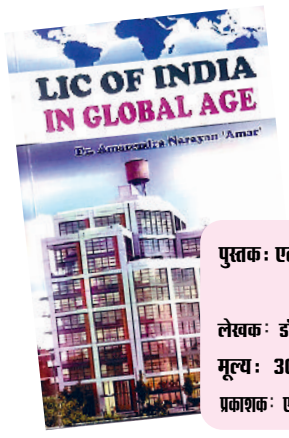

**पुस्तक : एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज**
**लेखक : डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर'**
**मूल्य : 300 रुपये (पेपरबैक)**
**प्रकाशक : एकेडमिक एक्सीलेंस, नई दिल्ली**

पुस्तक समीक्षा
प्रो. एच.के. सिंह

पुस्तक एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज यानि भूमंडलीय युग में भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय जीवन बीमा के स्वरूप का भीतरी एवं बाह्य अध्ययन प्रस्तुत करता है और भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसके उद्देश्यों को भी। पिछले कुछ वर्षों में भारत में बीमा के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। चाहे जीवन बीमा हो या साधारण बीमा, व्यक्ति को आर्थिक एवं मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। देश में बीमा के बारे में जानकारी देने वाले पुस्तक काफी कम हैं। डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर' द्वारा लिखित यह पुस्तक बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के साथ -साथ उसकी विपणन रणनीति, विभाजन, लक्ष्यीकरण और स्थिति निर्धारण प्रस्तुत करती है एवं संबंधित नियमों आदि के बारे में सूचनाएं देकर पुस्तक को आम जनता के लिए उपयोगी बनाती है। यह पुस्तक अपनी गुणवत्ता और सरलता से बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के कारण विपणन व्यूहरचना और विद्वतापूर्ण वाद-विवाद के अन्दर स्वयं को आधारित करता ही है, साथ ही अपनी दूरदृष्टि से यह पुस्तक भूमंडलीय परिवर्तन के समय विपणन के विभिन्न प्रकारों और भारतीय जीवन बीमा के व्यूहरचनात्मक विपणन पर भी विद्वतापूर्ण चर्चा करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम के परिचालन प्रदर्शन के साथ-साथ संघटनात्मक संरचना और विपणन नीतियों, योजनाओं और रणनीतियों को बहुत अच्छे तरीके से बताता है। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इस किताब की यह है कि एक ही जगह कोई शोधार्थी या व्यक्ति भारतीय जीवन बीमा निगम के स्वरूप एवं प्रकार को तो जान ही सकता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ओर उसकी व्यूह योजनाओं को समझने के लिए विपणन को विभिन्न व्यूहयोजनाओं एवं उसके सिद्धान्तों के भी दिग्दर्शन कर सकता है। बीमा, खोज तथा शिक्षा के क्षेत्र में यह लेखक का सराहनीय कार्य और लेखक इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं। यह बीमा क्षेत्र की बेहतरीन पुस्तकों में से एक है। जो व्यक्ति बीमा सलाहकार के रूप में अपना करियर चुन रहा है, वह बीमा उद्योग में अच्छा भविष्य बना सकता है। यह पुस्तक छात्रों, शोधकर्ताओं और कंपनियों के लिए एक मूल्यवान परिसंपत्ति और मार्गदर्शिका है

## खबर संक्षेप

### हिंदुस्तान पब्लिक सलीमपुर में छात्रवृति परीक्षा आयोजित

**मंडी अटेली।** हिंदुस्तान पब्लिक सलीमपुर में रविवार को छात्रवृति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कक्षा प्रथम से बारहवीं तक के सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। छात्रों के साथ अभिभावकों ने पूरे स्कूल का भ्रमण कर सुविधाओं की जानकारी ली। अभिभावक एसी कैंपस, स्मार्ट बोर्ड क्लासेज, हाईटेक कंप्यूटर लैब, नाट्यशाला, साइंस-मैथ्स लैब आदि को देखकर उत्साहित हो गए। चेयरमैन पूर्व सरपंच एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह ने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन एवं होशियार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है।

### हकेंवि ने आयोजित किया जैव प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बसई के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह आयोजन ग्रामोदय सहस्त्र विद्या दीप पहल के अंतर्गत भारत रत्न नानाजी देशमुख की 108वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाने और प्रधानमंत्री के विकसित भारत दृष्टिकोण में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। ग्रामोदय सहस्त्र विद्या दीप पहल का उद्देश्य एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से विज्ञान और तकनीकी प्रगति के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। इस प्रशिक्षण में विद्यालय की 25 छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

### सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अव्वल रहे विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

# सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल के वार्षिक उत्सव में बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुति

महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी। व विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डॉ. विशवेशर कौशिक तथा अध्यक्षता डॉ. ललित यादव ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक कार्यक्रम ही नहीं होता, बल्कि इस समारोह से छात्रों के शिक्षा अनुशासन और प्रतिभा तथा विद्यालय के स्तर का बोध होता है। कार्यक्रम में विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी क्षमता व प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय चेयरमैन विजय सिंह यादव ने कहा कि विद्यालय हर क्षेत्र में अपने विद्यार्थियों को अव्वल बनाता है, फिर वह चाहे शिक्षा हो, चाहे खेल या फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारिवारिक संस्कार, इन सभी की झलक कार्यक्रम में देखने को मिली। अभिभावकों ने भी पूरी संख्या में पधारकर अपने बच्चे की प्रतिभा को निहारने का उत्साह दिखाया। भारत वीरों का देश है,

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

# जेईई मेंस में विद्या देवी के विद्यार्थियों ने पाई सफलता

- दो विद्यार्थियों ने 80 परसेंटाइल से अधिक स्कोर प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हाल ही में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से घोषित जेईई मेन परीक्षा परिणाम में विद्या देवी स्कूल के दो विद्यार्थियों ने 80 परसेंटाइल से अधिक स्कोर प्राप्त कर नया कीर्तिमान रचा। विद्या देवी स्कूल के राहुल ने 90 परसेंटाइल व तनिष राय ने 82 परसेंटाइल हासिल की। इस उपलब्धि के लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से स्कूल डायरेक्टर विक्रांत यादव व प्रिंसिपल राजकुमार यादव ने अपने प्राध्यापकों के उचित मार्गदर्शन व बच्चों की कड़ी मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और एकाग्रता से हम किसी भी प्रतियोगिता की तैयारी कर अपने लक्ष्य के करीब पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि बैगर किसी विशेष कोचिंग के केवल अपने विद्यालय में अपने अध्यापकगणों के दिशा निर्देश का पालन कर तैयारी की। स्कूल डायरेक्टर विक्रांत यादव व प्राचार्य राजकुमार यादव विद्यालय में पहुंचने पर बच्चों को माला पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर रोहित, विभु, विशाल, अमित, ज्योति, मंजू, जितेन्द्र, नरेंद्र आदि ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

# हरियाणा स्कूल में विदाई समारोह

- कार्यक्रम में मंच संचालन जूनियर विद्यार्थियों ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। समारोह के दौरान स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में रविवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को विदाई दी। समारोह का शुभारम्भ संस्था चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा, निदेशिका संगीता शर्मा व प्राचार्य अवनीश कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन जूनियर विद्यार्थियों ने किया। बारहवीं कक्षा के छात्रों में विज्ञान संकाय से धन्वी व मंथन शर्मा, वाणिज्य संकाय से वंशिका व हिमांशु अग्रवाल, कला संकाय से रजनी कौर व वेद प्रकाश को मिस्टर व मिस फेयरवेल चुना गया।
विद्यालय चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा व निदेशिका संगीता शर्मा ने कहा कि विधार्थी जीवन हर एक के लिए अहम पड़ाव होता है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ समाज, राष्ट्र व अन्य गतिविधियों की जानकारी मिलती है। अध्यापक अपने बच्चों को अच्छे संस्कार व अच्छी शिक्षा देकर विदा करते है, ताकि बच्चें भविष्य में योग्य बनकर राष्ट्र का विकास कर सके। प्राचार्य अवनीश कुमार ने कहा कि किसी भी छात्र के लिए अपने स्कूल से विदा होने का क्षण अत्यंत भावुक होता है, लेकिन विद्यार्थी कभी भी अपने गुरु के मन से विदा नहीं होते। इस मौके पर गीता गोयल, संजय गोयल, रामनिवास डीपीई, अशोक यादव, संजय कुमार, नरेश कुमार, मुकेश, दीपक कुमार, अमन कुमार, शुभराम, दीपक, राहुल सोनी, मनदीप कौर, लक्ष्मी चौहान, वन्दना सैनी, सुमन कुमारी, अल्पना शर्मा मौजूद थे।

# फ्यूचर फोरवर्ड करियर सेमिनार में दिखा उत्साह

- सेमिनार एसडी वरिष्ट माध्यमिक विद्यालय ककराला में आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। एसडी विद्यालय में आयोजित सेमिनार में अभिभावकों को जानकारी देते विषय विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

करियर सेमिनार में अभिभावकों व विद्यार्थियों ने काफी उत्साह दिखाया। यह सेमिनार रविवार को एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ शिक्षा विशेषज्ञ डा. एन माधुरी पत्री, नीता श्रीवास्तव, अमित कुमार, मोहन तिवारी व विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। फ्यूचर फोरवर्ड सेमिनार में अभिभावकों की उपस्थिति सराहनीय रही।
विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने विषय विशेषज्ञों व अभिभावकों का अभिनंदन करते हुए सेमिनार के उद्देश्य पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि फ्यूचर फोरवर्ड सेमिनार वर्तमान शिक्षा पद्धति एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों में सामंजस्य स्थापित करना है। जिस प्रकार नई शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, उसी रूप में विद्यालय प्रबंधन, अभिभावक व अध्यापक उसी तरीके से उपयोग में लें। एसडी विद्यालय हमेशा नई तकनीक एवं दूर दृष्टि के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य करता है। डा. एन माधुरी पत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति पर कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा कौशल को पहचान कर उसका सही मार्गदर्शन करना विद्यालय व अध्यापकों का प्रमुख कार्य है। अभिभावकों को भी इस महत्वपूर्ण कार्य में पूरा सहयोग करना चाहिए। अमित कुमार ने वर्तमान समय में डिजिटल शिक्षा व कौशल विकास के लिए एसडी विद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। ब्रेन लर्न संस्था ने डिजिटल मेकिंग, लीडरशिप, मनी मंत्रा, इमोशनल इंटेलिजेंस जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण कोर्स जो विद्यार्थी के लिए अति आवश्यक हैं उसके लिए जागरूक करने को कहा। लाइफ स्किल व टीचिंग स्किल कोच नीता श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल उपकरणों का सही प्रकार से उपयोग किया जाना आवश्यक है। मोहन तिवारी सीईओ स्टूडेंट डेस्टिनेशन ने विभिन्न करियर के विकल्प को लेकर पर अपने विचार साझा किए। मोहन तिवारी ने बताया कि जीवन में एक गलत निर्णय बच्चे के जीवन को असफलता की तरफ ले जाता हैं। इस मौके पर सीईओ आरएस यादव, प्राचार्य ओमप्रकाश यादव, नरेंद्र सिंह, संजय कुमार आदि मौजूद थे।

# यदुवंशी डिग्री कॉलेज के छात्रों ने किया सूरजकुंड मेले का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मेले का भ्रमण करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी डिग्री कॉलेज के छात्रों ने एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के तहत विश्व प्रसिद्ध सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय हस्तस्लिप मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण यदुवंशी ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को भारतीय कला, संस्कृति हस्तस्लिप की विविधता को नजदीक से देखने का अवसर मिला।
भ्रमण के दौरान छात्रों ने विभिन्न राज्यों के पारंपरिक हस्तस्लिप, लोक नृत्य, संगीत और खानपान को समझा। छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रोग्राम का आनंद लिया और स्थानीय कलाकारों से बातचीत कर उनकी कला के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कॉलेज के प्रवक्ता भी साथ रहे, जिन्होंने छात्रों को इस मेल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया। डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए सहायक होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार की यात्रा छात्रों के सामाजिक व सांस्कृतिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होती है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, डॉ. प्रदीप यादव, यदुवंशी कॉलेज प्राचार्य बबरूभान एवं शिक्षकों ने भी छात्रों का उत्साह वर्धन किया।

# राव रामचंद्र स्कूल में वार्षिक एवं पुरस्कार समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

**महेंद्रगढ़।** राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में रविवार को वार्षिक समारोह एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ शैक्षणिक और खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन राव रोशनलाल व मुख्यातिथि आईजीयू विश्वविद्यालय के कॉलेज आफ डीन मुख्यातिथि प्रो. तेजसिंह द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद समारोह में विद्यार्थियों ने अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, देशभक्ति गीत, नृत्य सहित अन्य मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों की प्रतिभा और उत्साह देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें विद्यालय की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया गया। समारोह के मुख्यातिथि प्रो. तेजसिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को योजनाबद्ध तरीके से अपना अध्ययन करना चाहिए, तभी वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। संस्था चेयरमैन राव रोशनलाल ने कहा कि आरआरसीएम स्कूल कनीना में पूरे महेंद्रगढ़ जिले में शैक्षणिक व पाठ्योत्तर गतिविधियों में अपना विशेष स्थान रखता है। शैक्षणिक, खेलकूद, कला और अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्या तिथि व संस्था चेयरमैन राव रोशनलाल द्वारा ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

# स्कॉलरशिप टेस्ट में 2140 विद्यार्थी शामिल

**नांगलचौधरी।** सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन किया गया। परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं के 2140 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। परीक्षा का आयोजन विद्यालय की प्राचार्य राजेश यादव के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन एवं होशियार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है। कोई भी परीक्षा व्यक्तिव श्रेष्ठता की पहचान और किसी स्थिति का सामना करने की तैयारी का निरीक्षण सदैव परीक्षा का उद्देश्य रहा है। विद्यालय अध्यक्ष दयाराम यादव ने आए हुए बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि जो भी प्रतिभाशाली बच्चा स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट के माध्यम से उच्च रैंक प्राप्त करेगा, विद्यालय उन सभी विद्यार्थियों को दो करोड़ से 2.5 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान करेगा। स्कूल निदेशक अमित यादव ने बताया कि परीक्षा देने आए छात्रों में बहुत उत्साह देखा गया। विद्यालय में इस वर्ष शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक अच्छा प्रदान करने हेतु लगभग 32 लाख की लागत से सभी कक्षा कक्ष को स्मार्ट पैनल के साथ सुसज्जित करवाया है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों ने बताया कि वह अपने जीवन में अच्छा पढ़ लिखकर आगे बढ़ना चाहते है। इस परीक्षा के माध्यम से यदि छात्रवृत्ति मिल जाए तो अपना सपना पूरा करने में आसानी हो जाएगी। छात्रों व अभिभावकों ने स्कूल का भ्रमण कर जानकारी ली। अभिभावक एसी कैंपस, स्मार्ट बोर्ड क्लासेज, हाईटेक कंप्यूटर लैब, नाट्यशाला, साइंस मैथ्स लैब आदि को देखकर उत्साहित हो गए। इस मौके पर उपप्राचार्य रेखा यादव, राजेश यादव, सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल नांगल चौधरी की प्रचार्या वंदना यादव, गजराज यादव आदि मौजूद थे।

नांगल चौधरी। स्कॉलरशिप टेस्ट देते विद्यार्थी।

**नेक काम** संस्था की ओर से समय समय रक्तदान शिविर करते हैं आयोजित

एक बार फिर से संस्था के सभी भाई व बहनों ने मिलकर अपना फर्ज अदा किया

# नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप ने किया बेटी का कन्यादान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप की मुहिम गरीब सुकन्या विवाह के अंतर्गत एक ऐसे परिवार की बेटी का कन्यादान किया गया। जिसकी परिवार के स्थिति काफी ही नाजुक थी और बहुत ही ज्यादा जरूरतमंद परिवार था। एक बार फिर से संस्था के सभी भाई व बहनों ने मिलकर अपना फर्ज अदा किया और बहन की शादी अच्छे से हो सके इसके लिए, उसको 51 बरतनों का सेट, लहंगा चुनरी, जूसर मिक्सर, सीनरी, प्रेस, पंखा, डबल बेड की चद्दर, ट्रे सेट, बोतल, थर्मस, वाटर कैम्पर, कप सेट, कुकर, सूट साड़ियां, पेंट शर्ट, कार्डीगन, स्टॉल, लेडीज पर्स, अटैची, हॉट केस, नकद 501 रुपये कन्यादान के अलावा अन्य सामान भी भेंट स्वरूप कन्या के माता पिता को दिया।इस अवसर पर कार्यकम की अध्यक्षता संस्था के फाउंडर मनीष गोगिया ने बताया कि संस्था की ओर से समय समय अनेक सामाजिक कार्य में रक्तदान शिविर लगाना, आपातकालीन में रक्त उपलब्ध करवाना संस्था की प्राथमिकता रहती है।

### 23 मार्च को सम्मान समारोह होगा

गोगिया ने बताया कि अगले महीने 23 मार्च को शहीद भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर व सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।
इस अवसर पर कन्यादान के मुख्य अतिथि पूजा व निखिल जैन रहे। कार्यकम संयोजक संदीप जैन ने सभी से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने पास ऐसे परिवार की हर सम्भव मदद करनी चाहिए, जो आर्थिक रूप से कमजोर हो।
मनीष गर्ग व प्रवेश जांगिड़ ने कहा कि सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि बीमारियों से बचा जा सके।

### मौके पर यह रहे मौजूद

इस मौके पर मनीष गोगिया, संदीप जैन, राकेश यादव मित्रपुरा, राकेश सेकवाल, देव शर्मा, अंकित सैनी, कुनाल शुक्ला, हिमांशु संघी, निखिल जैन, पूजा जैन, मनीष गर्ग, प्रवेश जांगिड़, हरीश भारद्वाज आदि मौजूद थे।

### शहर में 109वीं प्रभात फेरी निकाली, भक्ति रस में झूमे श्रद्धालु

**नारनौल।** श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 109वीं प्रभात फेरी महावीर चौक स्थित रोटरी रसोई से प्रातः प्रारंभ हुई। इस आयोजन के यजमान रोटरी क्लब नारनौल सिटी एवं रोटरी क्लब बेलाज परिवार रहा। भक्तों की टोलियों ने ढोल मृदंग बजाते हुए राधे राधे नाम संकीर्तन के साथ नगर भ्रमण किया। प्रभात फेरी की शुरूआत ठाकुर जी की आरती व सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाने के साथ हुई। यात्रा पार्क गली, चितवन वाटिका, मोहनी गली, दीवान पेट्रोल पंप से होते हुए अपने गंतव्य की ओर बढ़ी। प्रभात फेरी के दौरान माहौल भक्तिमय हो गया। सड़कों पर झूमते गाते भक्तों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वृंदावन की गलियों में भक्तों का समुह राधा रानी के प्रेम में सराबोर हो झूम रहा हो। बच्चे, बुजुर्ग, युवा, महिलाएं सभी एक सुर में अपने आराध्य राधा कृष्ण से नगरवासियों के सुख समृद्धि की प्रार्थना कर रहे थे। नगरवासियों ने भी इस पावन यात्रा का फूल वर्षा, आरती व प्रसाद वितरण के साथ भव्य स्वागत किया। 108 प्रभात फेरियों की एक माला पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संगठन की ओर से रोटरी रसोई में एक दिन के भोजन सेवा का सहयोग भी दिया गया। भक्ति भाव से सराबोर इस आयोजन का समापन सनातन धर्म के जयकारों व प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

# राजकीय विद्यालय में स्टेम मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय माध्यमिक विद्यालय सिसोठ में स्टेम मेले में विद्यार्थियों ने विज्ञान व गणित विषय पर आधारित मॉडल बनाकर प्रदर्शनी लगाई। स्टेम मेले में स्टेम मंच की एक्टिविटीज बच्चों ने प्रदर्शित की।
कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय हेड सुमित्रा ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि क्लस्टर भगड़ाना प्राचार्य वीरेंद्र रहे। डॉक्टर मुकेश चौहान, पूर्व सरपंच, सरपंच व एसएमसी के सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन विज्ञान अध्यापिका सुमन लता ने किया। मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टेम मंच मेले का उद्देश्य विज्ञान और गणित को बढ़ावा देना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि छात्र विभिन्न गतिविधियों का अभ्यास करके गणित तथा विज्ञान की अवधारणा को सीखें और प्रयोग करें।इस अवसर पर अध्यापक महेंद्र सिंह, दयाराम, कुलदीप, अध्यापिका मनीषा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित।

## खबर संक्षेप

मंडी अटेली। बिहाली गोशाला में गायक कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हुए।

### श्री कृष्ण गोशाला बिहाली में छठा वार्षिक उत्सव शुरू

**मंडी अटेली।** श्री कृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली में रविवार को छठे वार्षिक उत्सव का शुभारंभ किया गया, जिसमें मास्टर अरुण कुमार राजपुरा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूबेदार मक्खन लाल ने की। ताजपुर के सरपंच राजकुमार टाईगर, प्रदीप सराय व कैप्टन सुमेर सिंह बिहाली विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने गाय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, जिसमें 33 करोड़ देवी-देवता निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि मानव को समय-समय पर गौवंश की सेवा करते रहना चाहिए तथा अपनी नेक कमाई से दान स्वरूप राशि देने में भी हिस्सेदारी रखनी चाहिए।

### जन्मदिन पर रक्तदान कर कमाया पुण्य

**नारनौल।** जन्मदिन पर रक्तदान मुहिम के तहत प्रेस क्लब प्रधान एवं वरिष्ठ पत्रकार असीम यादव ने रविवार को नागरिक अस्पताल में रक्तदान करके अपना जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर प्रधान टाईगर क्लब परिवार राकेश यादव ने बताया कि पांच साल पहले क्लब प्रधान असीम राव के जन्मदिन के अवसर पर जन्मदिन पर रक्तदान मुहिम की शुरूआत की थी। इस मुहिम के तहत अब तक 522 यूनिट रक्तदान किया गया है।

### मारपीट करने के आरोप में 3 व्यक्ति नामजद

**कनीना।** गांव बागोत में रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पूर्व सैनिक सहित तीन व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में उमेद कुमार ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। उसने खेत में डेयरी की हुई है। जिससे आर्मी से सेवानिवृत्त उसका चाचा ईश्वर उर्फ पप्पू तथा मुकेश उनसे रंजिस रखते हैं।

# महीने के अंत तक तापमान में उतार चढ़ाव रहेगा जारी, सक्रिय होंगे 3 पश्चिमी विक्षोभ

## तेज गति हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

**खास बातें**

- नारनौल व महेंद्रगढ़ की तो यहां दिन व रात का तापमान क्रमशः 26.0, 8.2 डिग्री सेल्सियस व 26.6, 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया
- 19 से 21 फरवरी के दौरान उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी, साथ ही हरियाणा एनसीआर दिल्ली में भी पंजाब से सटे जिलों व मध्य वर्ती जिलों में बूंदाबांदी की संभावना

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। जिसके चलते हल्की बादलवाही देखने को मिल रही। वहीं पिछले दिनों तेज गति से धरातलीय हवाएं चलने से सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में भी हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम में बदलाव व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। फरवरी महीने के अंत तक गर्मी व सर्दी में आस्तित्व का संघर्ष जारी रहेगा। फरवरी महीने में एक के बाद एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। जब ये पश्चिमी प्रणाली उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होती है, तो उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी, जबकि मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर में हवाओं की दिशा में बदलाव, हवाएं दक्षिणी पूर्वी व दक्षिणी पश्चिमी होने से केवल आंशिक बादलवाही देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में बढ़ोतरी व जैसे ही मौसम प्रणाली सम्पूर्ण इलाके से आगे निकल जाती हैं, हवाओं की दिशा बदलकर उत्तरी होने से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। यह सिलसिला फरवरी महीने के अंत तक लगातार जारी रहेगा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर हल्की बर्फबारी व मैदानी राज्यों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

### रात्रि तापमान सामान्य से नीचे

मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्र मोहन ने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस से 10.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। सम्पूर्ण राज्य में रात्रि तापमान सामान्य से नीचे बने हुए है, जबकि सम्पूर्ण इलाके में दिन के तापमान सामान्य से अधिक बने हुए है। अधिकतर स्थानों पर दिन के तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस से 28.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।अगर बात करें जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल व महेंद्रगढ़ की तो यहां दिन व रात का तापमान क्रमशः 26.0, 8.2 डिग्री सेल्सियस व 26.6, 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

### तेज गति से हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश की संभावना

बार-बार हवाओं की दिशा में बदलाव से तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। यानी हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सर्दी व गर्मी में प्रभुत्व की लड़ाई जारी रहेगी। इसी कड़ी में शनिवार को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में आंशिक बादलवाही व पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर में बिखराव वाली बूंदाबांदी दर्ज हुई, जबकि उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी जारी है। जैसे ही 17 फरवरी को यह मौसम प्रणाली आगे निकल जाएगी। इसके पीछे 19 फरवरी को भी एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा जिसके चलते 19 से 21 फरवरी के दौरान उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी, साथ ही हरियाणा एनसीआर दिल्ली में भी पंजाब से सटे जिलों व मध्यवर्ती जिलों में बूंदाबांदी, तेज गति से हवाएं चलने व गरज चमक के साथ हल्की बारिश व बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। वर्तमान विश्लेषण अनुसार शेष हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बादलों की आवाजाही साथ ही साथ तेज गति से हवाएं चलने व बिखराव वाली हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, लेकिन यह मौसम प्रणाली 22 फरवरी को सम्पूर्ण इलाके से जैसे आगे निकल जाएगी, वैसे ही उत्तरी हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के भारी गिरावट देखने को मिलेगी। जिससे आमजन को एक बार फिर ठंड से रूबरू होना पड़ेगा। इसके बाद भी 24 व 28 फरवरी को दो और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में फिर से मौसम में बदलाव व तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहेगा।

## जोहड़ ओवरफ्लो होने चलते लोगों जलभराव की समस्या से है परेशान

# चुनाव में उम्मीदवारों के लिए कनीना में साफ सफाई व गंदे पानी की निकासी बड़ा मुद्दा

- अधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी नहीं हो रहा स्थाई समाधान
- नपा चुनाव जीतने वाली नई चेयरपर्सन से उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नगर पालिका क्षेत्र में साफ सफाई व निकासी के पानी की मुख्य समस्या बनी हुई है। जिसका प्रत्येक नागरिक समाधान चाहता हैं। उनकी ओर से चुनाव का मुख्य मुद्दा यहीं बना हुआ है। जिसके समाधान के बाद नगरवासी स्वर्ग में रहने के समान महसूस कर सकेंगे। भौगोलिक स्थित के मुताबिक कनीना के निचले क्षेत्र में बने जोहड़ ओवरफ्लो होने व निकासी का गंदा पानी सड़कों पर आने से नागरिकों का गुजरना दुश्वार हो रहा है। वहीं लंबे समय से यह समस्या बनी रहने से अनेक नागरिक टायफाइड, पीलिया, बुखार सहित अन्य बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनकी ओर से कई बार नगर पालिका कार्यालय व प्रशासक को शिकायत भी दी गई है, लेकिन अभी तक कोई स्थाई समाधान नहीं हो सका है।

प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन की ओर से आवारा गोवंश को गोशाला में भेजे जाने की अनेक बार घोषणा करने के बावजूद बेसहारा गोवंश सड़कों पर घूम रहा है। जिनसे सड़क हादसों को बढ़ावा मिल रहा है। वार्ड नम्बर एक, दो व तीन के प्वाइंट पर बाबा लेखराम बाग के समीप जोहड़ व नाली ओवरफ्लो होने से रास्ते में गंदा पानी जमा हो रहा है। इसी प्रकार वार्ड वार्ड एक, दो व 12 के प्वाइंट पर कालर वाली जोहड़ के समीप सभी रास्तों पर पानी जमा होता है। बरसात के समय स्थिति ओर अधिक नाजुक हो जाती है। नागरिकों ने आगामी दो मार्च को होने वाले चुनाव में इन समस्याओं का समाधान करने वाले प्रत्याशियों को मतदान करने को कहा है।

कनीना। राजकीय प्राथमिक पाठशाला के समीप कूड़े के ढेर में मुंह मारते गोवंश व बाबा लेखराम बाग के समीप सड़क पर जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

### क्या कहते है क्षेत्रवासी

महिला रेखा देवी ने कहा कि कनीना के राजकीय प्राथमिक पाठशाला के समीप सड़क पर कूड़ा डाला जा रहा है। इस स्थान से प्रतिदिन अनेक निजी स्कूलों की बसें विद्यार्थियों को लेकर जाती हैं। कूड़े से दुर्गंध उठने से छात्र व अभिभावकों को भारी परेशानी से गुजरना पड़ता है। यहां पर लगे डस्टबिन खाली पड़े रहते हैं, जबकि गोबर कूड़ा सड़क पर बिखरा होता है, जहां आवारा पशु मुंह मारते रहते हैं। नवनिर्वाचित नपा चेयरमैन से समस्या के समाधान की

### नामांकन का आज अंतिम दिन

कनीना। आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनाव के लिए 11 फरवरी से शुरू हुई नामाकंन प्रक्रिया का सामेवार को अंतिम दिन है। जिसे लेकर नामाकंन पत्र दाखिल करने में गहमागहमी रहने की संभावना है। अभी तक वार्ड पार्षद पद के लिए 25 व चेयरपर्सन के लिए तीन नामाकंन पत्र दाखिल हो चुके हैं। 18 फरवरी को नामाकंन पत्रों की जांच की जाएगी व 19 को नाम वापस लिए जा सकेंगे। चुनाव मैदान में रहने वाले प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न अलाट किए जाएंगे। इसके बाद दो मार्च को सुबह आठ बजे से सायं छः बजे तक मतदान होगा। 12 मार्च को मतगणना की जाएगी।

### मुकेश भारद्वाज ने बताया

मुकेश भारद्वाज ने बताया कि सड़क, सीवरेज, पेयजल तथा स्टीट लाइट की व्यवस्था लड़खड़ाने से नागरिक परेशान हैं। उनकी ओर से अवगत कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता है। ऐसे में थके हुए मतदाता साइलेंट हो जाते हैं, जिससे चुनाव के समय नतीजा विपरित जाता है।

### गंदे पानी के निकासी की उचित व्यवस्था नहीं

जितेंद्र कौशिक ने बताया कि गंदे पानी के निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण शहर बदसूरत हो रहा है। स्वछता सूचकांक में भी शहर पिछड़ रहा है। गंदे पानी से कीचड़ पनपता है। वहीं सफाई में भी बाधा पैदा करता है। कई बार पेयजल पाइप लाइन लीकेज होने पर दूषित जल की सप्लाई होती है।

नारनौल। मुख्यातिथि रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

# मंढाणा के सरकारी स्कूल में रक्तदान शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नया सवेरा जनसेवा टीम, पर्यावरण टीम मंढाणा, युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के संयुक्त तत्वावधान में मढाणा में 72वां रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इस दौरान करीब 25 युवाओं ने रक्तदान किया। मुख्यातिथि के रूप में पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल इंजीनियर अनिल यादव व हरियाणा लोकसेवा आयोग की सदस्य ममता यादव रही। शिविर के दौरान अनिल यादव ने कहा कि शहर किसी की जान रक्त की कमी से नहीं गई है, क्योंकि यहां रक्तदान करने के लिए युवाओं की टीम हमेशा तैयार रहते है। हरियाणा लोकसेवा आयोग की सदस्य ममता यादव ने कहा कि संस्थाओं व समस्त ग्रामवासियों ने रक्तदान शिविर का आयोजन करके पुण्य का कार्य किया है। रक्तदान सबसे बड़ी मानव सेवा है, क्योंकि आपात स्थिति में रक्तदान करके ही लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में जो बुरी चीज है, उन्हें छोड़ना पड़ता है और अच्छी चीजें अपनानी पड़ती है। सुदेश कुमार मंढाणा ने कहा कि संस्थाओं से जुड़े युवाओं ने समय समय पर इस मौके पर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज पटीकरा से डा. पंकज कौशिक व डा. रितू कौशिक, प्रोफेसर डा. गीता यादव, प्रोफेसर डा. नवीन यादव, प्रोफेसर डा. अनूप यादव, बिरेन्द्र सिंह, नवीन यादव, सत्येंद्र यादव आदि रहे।

### स्वच्छता अभियान सफलता में सभी करें सहयोग

**नारनौल।** ग्राम पंचायत कुलताजपुर में सरपंच विक्रम की अध्यक्षता में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन व अटल भूजल टीम की ओर से पेयजल व्यवस्था प्रबंधन व स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के प्रशिक्षण का कार्यक्रम तथा जल चौपाल का आयोजन किया गया। खंड संसाधन संयोजक इंद्रजीत ने बताया कि जल प्रबंधन व स्वच्छता को अपनाते हुए जल जीवन मिशन को सफल बनाने में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की अहम भूमिका है। इसलिए ग्राम जल एवं सीवरेज समिति को अपने अधिकार व कर्तव्यों के प्रति जागरूक होते हुए कार्य करने की जरूरत है, ताकि पेयजल के उचित प्रयोग के साथ उसकी स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने कहा कि साफ पानी प्राप्त करना सभी का अधिकार है और पानी को साफ करना सभी का कर्तव्य है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझ कर पेयजल व्यवस्था को बाधित करता है तो ऐसे व्यक्ति के खिलाफ होने वाली पंचायती या विभागीय कारवाई के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मौके पर पंप चालक नवीन, अटल भूजल योजना से सुदेश, राहुल सहित आदि मौजूद थे।

### यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना

**नारनौल।** यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों का दल सूरज कुण्ड मेले के लिए शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुआ। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव ने बताया कि आज के युग में जिस तरीके से शिक्षित नवयुवक बेरोजगारी की तरफ बढ़ रहे हैं। ऐसे हालात में विद्यार्थियों को हस्तकला के प्रति जागृत कर सरकारी नौकरी व स्वयं के रोजगार के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना है। डा. प्रदीप यादव ने कहा शिक्षित युवा तभी सफल जीवन जी सकता है, जब वह स्वयं को रोजगार से जोड़कर लघु व कुटीर उद्योगों की स्थापना करें। जिससे अन्य बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध हो सके। प्राचार्य बजरंग लाल ने कहा कि इस शैक्षणिक भमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में हस्त कला के प्रति जागरूकता को लाना है। जिससे औद्योगिक क्षेत्रों का विकास हो। उपप्राचार्या सोनल यादव ने बताया कि विकसित भारत के लिए विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ना है।

महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

# ज्ञानकोश-ए-ग्लोबल स्कूल में वार्षिक उत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव खरकड़ा आकोदा स्थित ज्ञानकोश-ए-ग्लोबल स्कूल में रविवार को वार्षिक उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा परिवहन विभाग के जनरल मैनेजर अनिल कुमार व देवेंद्र सिंह चौहान रहे। इसके अलावा कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय डायरेक्टर राजेश कुमार झा व पारुल अग्निहोत्री ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यातिथि ने मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों ने भाग लेकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस कार्यक्रम में भ्रूण हत्या से ओतप्रोत, स्वच्छता अभियान, योगा, कराटा सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम ने विद्यार्थियों ने पेश किए। सीईओ राकेश कुमार ने सभी अभिभावकों का विद्यालय के कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वागत किया। इसके अलावा कार्यक्रम को सफल बनाने पर सभी अध्यापकों का भी धन्यवाद किया।

# हाफ मैराथन का आयोजन, नहीं पहुंचे खेलमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

ऐक्यम राइज क्लब की ओर से रविवार को हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें काफी लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। मैराथन का शुभारंभ करने के लिए खेलमंत्री आने वाले थे, लेकिन उनके नहीं आने पर एसपी पूजा वशिष्ठ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समापन अवसर पर एडीसी आनंद कुमार शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बता दें कि गांव सुराणा के नजदीक हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। आयोजक अमरपाल ने बताया कि सीएम नायब सैनी के नशा मुक्त हरियाणा अभियान को आगे बढ़ाते हुए यह मैराथन आयोजित की गई। इसमें न केवल जिला महेंद्रगढ़, बल्कि रेवाड़ी जिला के अलावा राजस्थान से आए एथलीट ने भी भाग लिया। इस हाफ मैराथन को चार कैटेगरी में बांटा गया था। जिसमें तीन किलोमीटर, पांच किलोमीटर, 10 व 21 किलोमीटर शामिल रही। रेस की सभी कैटेगरी के विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मैराथन का शुभारंभ खेल मंत्री गौरव गौतम की ओर से किया जाना था। वहीं महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव भी आने थे, मगर मंत्री व विधायक नहीं पहुंचे। इस मौके पर एडीसी आनंद कुमार शर्मा के अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, हाफ मैराथन के ब्रांड एंबेसडर संजय कुमार व नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी मौजूद थी।

नारनौल। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

**कार्यक्रम**

## श्रमिक भाई बहनों के लिए महाकुम्भ प्रसाद वितरित किया गया: दीपेन्द्र गौड़

# भाविप की आनंद रसोई में श्रमिकों को खिलाई जलेबी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारत विकास परिषद शाखा के तत्वावधान में आनंद रसोई का आयोजन किया। प्रकल्प संयोजक डा. संजय शर्मा व शाखा सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि आनंद रसोई प्रकल्प के अंतर्गत परशुराम चौक पर दीपेन्द्र गौड़ एडवोकेट व हितेश यादव एडवोकेट के सहयोग से पुनीत माघ माह में आयोजित महाकुंभ के प्रसाद स्वरूप चौक पर उपस्थित श्रमिकों को अल्पाहार कराया। आयोजक हितेश यादव व कमाल कांत गौड़ ने अपने हाथों से श्रमिकों को जलेबी खिलाई। कार्यक्रम के आयोजक दीपेन्द्र गौड़ एडवोकेट ने कहा कि हमारे शास्त्रों में तीर्थ यात्रा व भोजन प्रसाद वितरण दोनों का अद्वितीय महत्व बताया गया है। इसी कारण आज श्रमिक भाई बहनों के लिए महाकुम्भ प्रसाद वितरित किया गया। प्रकल्प संयोजक डा. संजय शर्मा ने कहा कि गत छह वर्षों से आनंद रसोई प्रकल्प के माध्यम से लगातार निःशुल्क अन्नदान का जो अभियान भाविप ने चलाया है वह सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण है। भाविप के जिला समन्वयक डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि सेवा कार्यों में भारत विकास परिषद का प्रत्येक प्रोजेक्ट अनुपम व अनुकरणीय होता है। विजय गोस्वामी व सदस्य नरोत्तम सोनी ने बताया कि विवाह, जन्मदिवस, खुशियां, पुण्य स्मृति आदि के अवसर पर भोजन की परम्परा हमारी संस्कृति का हिस्सा रही है। हितेश यादव, दीपेंदर गौड़, विजय गोस्वामी, कमल कांत एडवोकेट, परमजीत सिंह, आरव गौड़, हिमांक गौड़, अशोक यादव आदि रहे।

नारनौल। श्रमिकों को भोजन वितरित करते हुए।

### दूसरी रसोई गोमाता के नाम

*भाविप शाखा ने अपने प्रकल्प आनंद रसोई को विस्तारित करते हुए अब आनंद रसोई को गोवंश के लिए भी खोल दिया है। संजय शर्मा व दिनेश शर्मा ने बताया कि श्रमिक भाइयों के साथ साथ अब आनंद रसोई गोमाता के लिए भी चलेगी। गोवंश के लिए प्रथम रसोई शाखा के सदस्य राकेश शर्मा के सौजन्य से आयोजित की गई। जिसमें नन्दी गोशाला रघुनाथपुरा में गायों को छः क्विंटल हरी सब्जियां खिलाकर शुरू की। आयोजक राकेश शर्मा ने कहा कि गायों की सेवा से पुण्य कार्य कोई नहीं है। सरदार परमजीत सिंह ने कहा कि आनंद रसोई का आयोजन गायों के लिए करना परिषद का बेहतरीन प्रयास है।*

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005